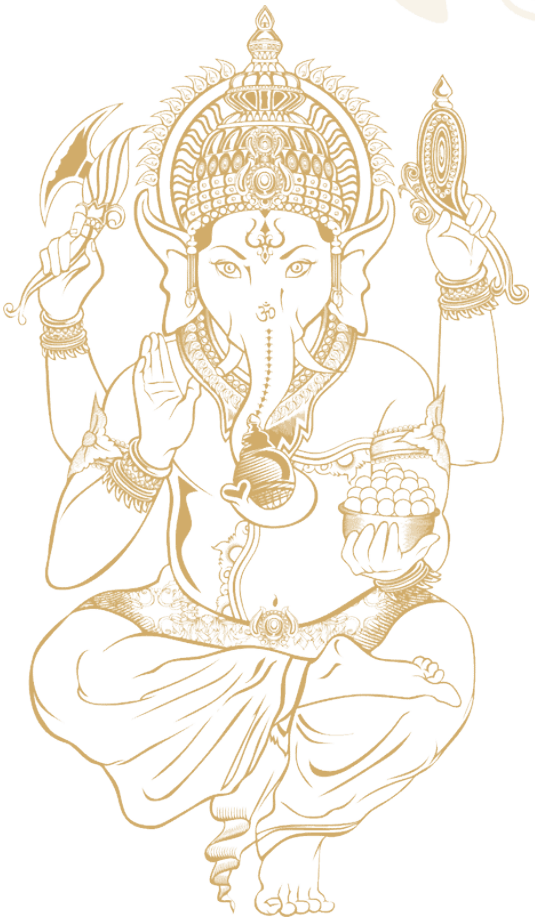

Rajesh

02 Feb 1967

03:30 PM

Bikaner

Model: web-freekundliweb

Order No: 121168102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/02/1967**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**15:30:00 घंटे**
इष्ट	20:15:17 घटी
स्थान	**Bikaner**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:01:00 उत्तर
रेखांश	73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:53:28 घंटे
वेलान्तर	-00:13:43 घंटे
साम्पातिक काल	23:41:07 घंटे
सूर्योदय	07:23:53 घंटे
सूर्यास्त	18:16:45 घंटे
दिनमान	10:52:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:28:13 मकर
लग्न के अंश	14:23:03 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वृद्धि
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:23:03	320:56:23	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			मक	19:28:13	01:00:53	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	25:17:53	13:43:27	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			तुला	03:44:31	00:19:08	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			कुंभ	00:20:15	01:45:15	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु	व		कर्क	04:19:45	00:07:32	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	उच्च राशि
शुक्र			कुंभ	09:53:07	01:14:48	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	03:17:20	00:06:04	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		मेष	18:08:56	00:00:11	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	18:08:56	00:00:11	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	सम राशि
हर्ष	व		कन्या	00:30:32	00:01:45	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
नेप			वृश्चि	00:48:58	00:00:46	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
प्लूटो	व		सिंह	26:49:25	00:01:11	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
दशम भाव			मीन	01:27:28	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:23:40

लग्न-चलित

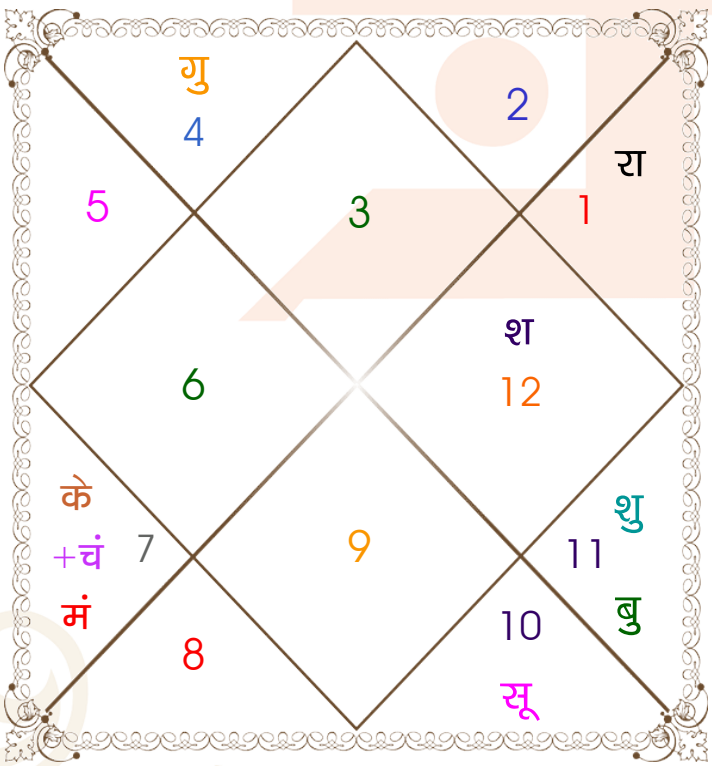

चन्द्र कुंडली

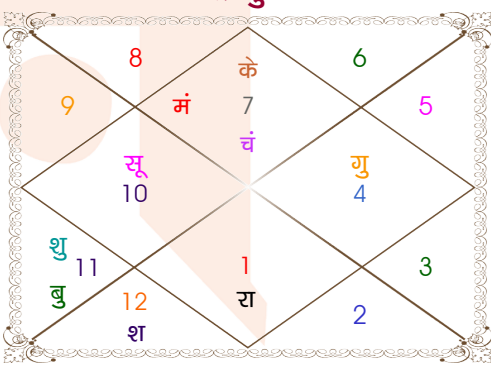

नवमांश कुंडली

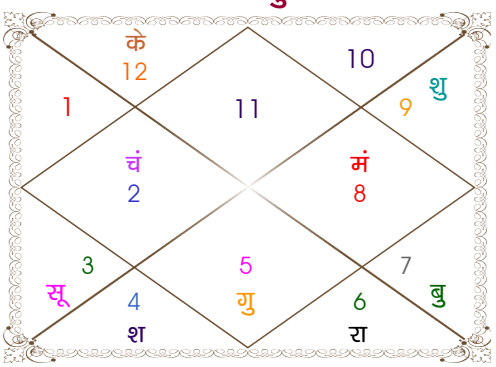

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 9 वर्ष 7 मास 21 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/02/1967		24/09/1976		25/09/1995		24/09/2012		25/09/2019	
24/09/1976		25/09/1995		24/09/2012		25/09/2019		25/09/2039	
	00/00/0000	शनि	28/09/1979	बुध	20/02/1998	केतु	20/02/2013	शुक्र	24/01/2023
	02/02/1967	बुध	07/06/1982	केतु	18/02/1999	शुक्र	22/04/2014	सूर्य	25/01/2024
बुध	31/08/1967	केतु	17/07/1983	शुक्र	18/12/2001	सूर्य	28/08/2014	चंद्र	24/09/2025
केतु	06/08/1968	शुक्र	15/09/1986	सूर्य	25/10/2002	चंद्र	29/03/2015	मंगल	24/11/2026
शुक्र	07/04/1971	सूर्य	28/08/1987	चंद्र	25/03/2004	मंगल	25/08/2015	राहु	24/11/2029
सूर्य	25/01/1972	चंद्र	29/03/1989	मंगल	23/03/2005	राहु	12/09/2016	गुरु	25/07/2032
चंद्र	26/05/1973	मंगल	07/05/1990	राहु	10/10/2007	गुरु	19/08/2017	शनि	25/09/2035
मंगल	01/05/1974	राहु	13/03/1993	गुरु	15/01/2010	शनि	28/09/2018	बुध	26/07/2038
राहु	24/09/1976	गुरु	25/09/1995	शनि	24/09/2012	बुध	25/09/2019	केतु	25/09/2039

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
25/09/2039		24/09/2045		25/09/2055		25/09/2062		24/09/2080	
24/09/2045		25/09/2055		25/09/2062		24/09/2080		00/00/0000	
सूर्य	12/01/2040	चंद्र	26/07/2046	मंगल	21/02/2056	राहु	07/06/2065	गुरु	12/11/2082
चंद्र	13/07/2040	मंगल	24/02/2047	राहु	10/03/2057	गुरु	31/10/2067	शनि	26/05/2085
मंगल	18/11/2040	राहु	25/08/2048	गुरु	14/02/2058	शनि	06/09/2070	बुध	02/02/2087
राहु	13/10/2041	गुरु	25/12/2049	शनि	26/03/2059	बुध	26/03/2073		00/00/0000
गुरु	01/08/2042	शनि	26/07/2051	बुध	22/03/2060	केतु	13/04/2074		00/00/0000
शनि	14/07/2043	बुध	24/12/2052	केतु	18/08/2060	शुक्र	13/04/2077		00/00/0000
बुध	19/05/2044	केतु	25/07/2053	शुक्र	19/10/2061	सूर्य	08/03/2078		00/00/0000
केतु	24/09/2044	शुक्र	26/03/2055	सूर्य	23/02/2062	चंद्र	06/09/2079		00/00/0000
शुक्र	24/09/2045	सूर्य	25/09/2055	चंद्र	25/09/2062	मंगल	24/09/2080		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 9 वर्ष 8 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।